an>

Title: Regarding early release of 39 Indians Kidnapped in Iraq.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान और संसद् का ध्यान एक बहुत ही इम्पोर्टेंट इश्यू की तरफ दिलाना चाहता हूं। इराक में 39 भारतीयों को 11 जून, 2014 को आई.एस.आई.एस. टैरिरिस्ट्स ने बंधक बना लिया था, जो वहां की कंस्ट्रक्शन कम्पनी में काम कर रहे थे। उनकी आखिरी बात 15 जून, 2014 को अपने-अपने परिवार वालों से हुई, उसके बाद से किसी की किसी से फोन पर न बात हुई और न उनका पता चला कि वे कहां हैं। उसके बारे में बार-बार अनुरोध करने पर हमारे फॉरेन अफेयर्स मिनिस्टर सुÂामा जी ने हाउस में बताया और उन्होंने यह कहा कि जो हमारे सोर्सेज हैं, वे बताते हैं कि वहां 39 भारतीय सेफ हैं और वे बचे हैं। पर, आज इतना लम्बा टाइम हो गया है और सारे परिवारवाले जन्तर-मन्तर पर आठ दिनों से धरने पर बैठे हैं। सारे पेपर्स में इसके बारे में रिपोर्ट है और 'द ट्रिब्यून' में तो इसके बारे में एक बहुत बड़ी रिपोर्ट छपी है।...(व्यवधान)

डिप्टी स्पीकर सर, यह एक सीरियस इश्यू है और यहां क्या हो रहा है? इससे यही पता चलता है कि सरकार का इस पर क्या सीरियसनेस है?...(व्यवधान)

सर, लोग जन्तर-मन्तर पर हड़ताल पर बैठे हैं। उनमें से एक व्यक्ति, जो गुरदासपुर के काला अफगाना गांव का हरजीत मसीह है, जिसके बारे में यहां पर मंत्री जी ने बताया था कि वह हमारी कस्टडी में है। उसे भी न उसके परिवारवालों से मिलाया जा रहा है और न किसी से उसकी टेलीफोन से बात हो रही है। पर, मैडम ने हाउस में कहा था कि वह हमारी कस्टडी में है। आज जहां उनके परिवारवाले धरने पर बैठे हैं, वहां दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लोग उन्हें बोल रहे हैं कि आप वापस पंजाब चले जाएं, नहीं तो आपके केस को गवर्नमेंट आगे नहीं बढ़ाएगी।

सर, मेरी आपसे मांग है कि फॉरेन अफेयर्स मिनिस्ट्री से कोई व्यक्ति जाकर उसके परिवारवाले से बात करे, क्योंकि उसके परिवारवाले सुÂामा जी से उनके ऑफिस में एक साल में नौ बार मिले हैं। एक बार वे लोग पंजाब के चीफ मिनिस्टर को साथ लेकर वहां गए और एक बार कैबिनेट मिनिस्टर हरसिमरत कौर जी को साथ लेकर गए, लेकिन फिर भी उसका पता नहीं चला कि वह कहां है। अगर सरकार इन लोगों के लिए थोड़ी-सी भी सीरियस है तो इसके बारे में उसे बताना चाहिए। अगर वह ठीक-ठाक नहीं है या उनके साथ कोई हादसा हो गया है तो इसमें छिपाने वाली कोई बात नहीं है। उसके बारे में भी बताना चाहिए। जिन्होंने उसे उठाया, अगर वे कोई रैन्सम या पैसा मांग रहे हैं तो इसके बारे में भी बताना चाहिए। हमारे फॉरेन मिनिस्टर को उन भारतीयों के बारे में यहां पर आकर जल्दी से जल्दी जवाब देना चाहिए।